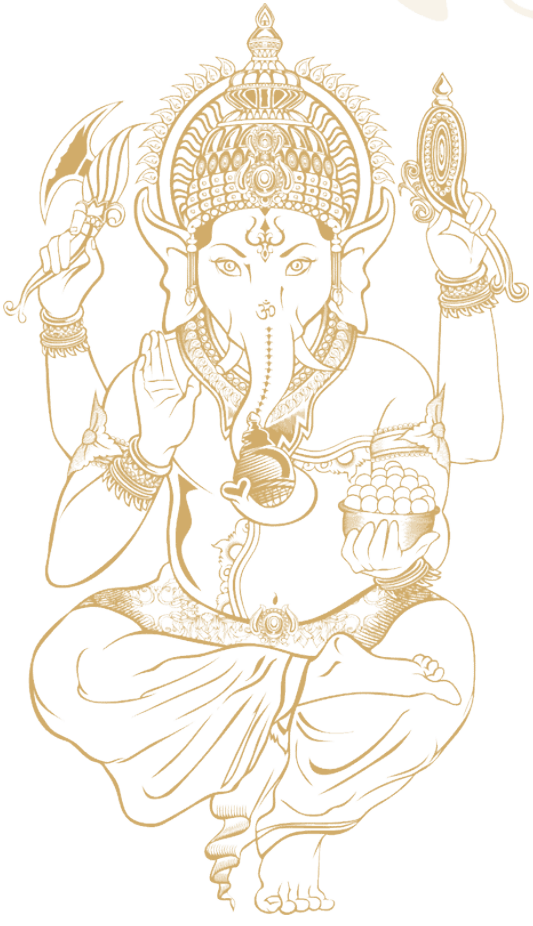

Meghna Sharma

01 Jun 1998

09:20 AM

Ajmer

Model: web-freekundliweb

Order No: 120932707

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**01/06/1998**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**09:20:00 घंटे**
इष्ट	09:13:11 घटी
स्थान	**Ajmer**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:29:00 उत्तर
रेखांश	74:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:48:40 घंटे
वेलान्तर	00:02:15 घंटे
साम्पातिक काल	01:26:24 घंटे
सूर्योदय	05:38:43 घंटे
सूर्यास्त	19:19:43 घंटे
दिनमान	13:41:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	16:38:33 वृष
लग्न के अंश	06:07:34 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	व्याघात
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मी-मीनाक्षी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	06:07:34	310:25:58	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	---
सूर्य			वृष	16:38:33	00:57:31	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	06:25:03	12:16:28	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
मंगल		अ	वृष	11:50:29	00:42:19	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	सम राशि
बुध		अ	वृष	05:48:09	02:02:17	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
गुरु			मीन	00:52:46	00:08:05	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	स्वराशि
शुक्र			मेष	08:42:14	01:09:54	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
शनि			मेष	05:20:25	00:06:21	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	नीच राशि
राहु	व		सिंह	11:38:07	00:00:12	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	11:38:07	00:00:12	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	18:49:28	00:00:42	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप	व		मक	08:07:46	00:00:51	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	12:45:16	00:01:38	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
दशम भाव			मीन	29:30:30	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:58

लग्न-चलित

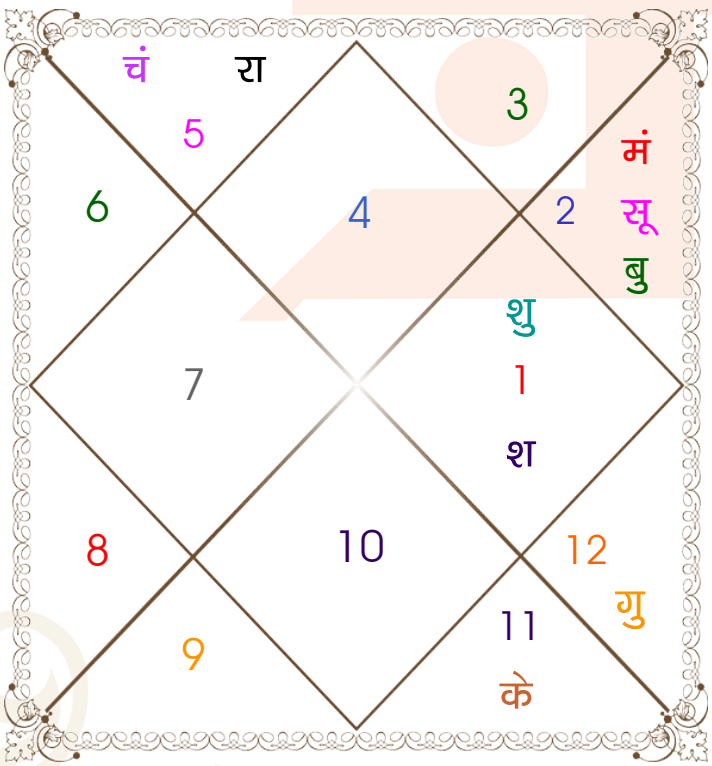

चन्द्र कुंडली

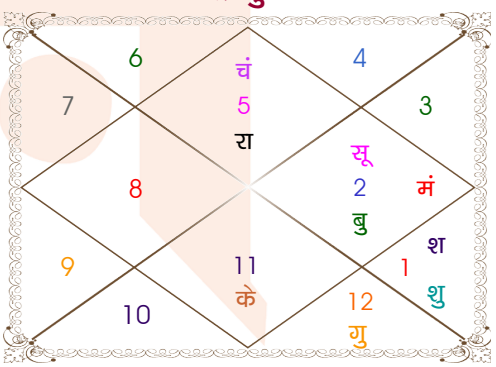

नवमांश कुंडली

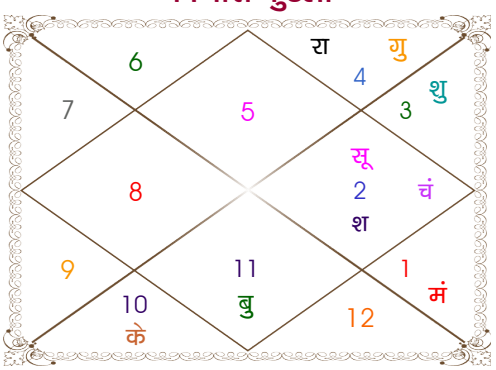

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 7 मास 17 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
01/06/1998		17/01/2002		17/01/2022		18/01/2028		17/01/2038	
17/01/2002		17/01/2022		18/01/2028		17/01/2038		17/01/2045	
	00/00/0000	शुक्र	19/05/2005	सूर्य	07/05/2022	चंद्र	17/11/2028	मंगल	15/06/2038
	00/00/0000	सूर्य	19/05/2006	चंद्र	05/11/2022	मंगल	18/06/2029	राहु	04/07/2039
	00/00/0000	चंद्र	18/01/2008	मंगल	13/03/2023	राहु	18/12/2030	गुरु	09/06/2040
	00/00/0000	मंगल	19/03/2009	राहु	05/02/2024	गुरु	18/04/2032	शनि	18/07/2041
	01/06/1998	राहु	18/03/2012	गुरु	23/11/2024	शनि	17/11/2033	बुध	16/07/2042
राहु	05/01/1999	गुरु	17/11/2014	शनि	05/11/2025	बुध	19/04/2035	केतु	12/12/2042
गुरु	12/12/1999	शनि	17/01/2018	बुध	11/09/2026	केतु	18/11/2035	शुक्र	11/02/2044
शनि	20/01/2001	बुध	17/11/2020	केतु	17/01/2027	शुक्र	18/07/2037	सूर्य	18/06/2044
बुध	17/01/2002	केतु	17/01/2022	शुक्र	18/01/2028	सूर्य	17/01/2038	चंद्र	17/01/2045

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
17/01/2045		17/01/2063		17/01/2079		17/01/2098		18/01/2115	
17/01/2063		17/01/2079		17/01/2098		18/01/2115		00/00/0000	
राहु	30/09/2047	गुरु	07/03/2065	शनि	20/01/2082	बुध	16/06/2100	केतु	16/06/2115
गुरु	23/02/2050	शनि	18/09/2067	बुध	29/09/2084	केतु	13/06/2101	शुक्र	16/08/2116
शनि	30/12/2052	बुध	24/12/2069	केतु	08/11/2085	शुक्र	13/04/2104	सूर्य	21/12/2116
बुध	19/07/2055	केतु	30/11/2070	शुक्र	08/01/2089	सूर्य	17/02/2105	चंद्र	22/07/2117
केतु	05/08/2056	शुक्र	31/07/2073	सूर्य	21/12/2089	चंद्र	20/07/2106	मंगल	19/12/2117
शुक्र	06/08/2059	सूर्य	19/05/2074	चंद्र	22/07/2091	मंगल	17/07/2107	राहु	02/06/2118
सूर्य	30/06/2060	चंद्र	18/09/2075	मंगल	30/08/2092	राहु	02/02/2110		00/00/0000
चंद्र	30/12/2061	मंगल	24/08/2076	राहु	07/07/2095	गुरु	10/05/2112		00/00/0000
मंगल	17/01/2063	राहु	17/01/2079	गुरु	17/01/2098	शनि	18/01/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 7 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का ही द्रेष्काण उदित था। जिससे यह संकेत मिलता है कि आप संतुलित ढंग से स्वस्थ्य रहकर, आनन्ददायक सुव्यवस्थित एवं उत्तम पारिवारिक जीवन बिताएंगी। आप विद्वान एवं सामाजिक प्रभाव से आदरणीय समझी जाएंगी। आप सुखद एवं मधुरतम जलीय यात्रा करेंगी। आप के जीवन के 36 वें वर्ष से सुन्दर और भाग्यशाली मार्ग प्रशस्त होंगे।

आपमें यह गुण विद्यमान है कि आप अपनी आवश्यकताओं को नियंत्रित रख कर उपयोगिता को पसन्द करती हैं। आप विश्वासपूर्ण भावनाओं से विभिन्न प्रकार से अन्य लोगों की सहायता करोगी। आप धर्मशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र का अध्ययन करेंगी तथा भगवान के प्रति समर्पित आस्थावान होंगी। आपको धर्मस्थलों तीर्थों का भ्रमण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा एवं परोपकारी सेवक बन कर सामाजिक कार्य करेंगी। आप दुर्भावनाओं को त्यागकर, धन संचय करने की महत्त्वकांक्षा से प्रेरित रहेंगे। यह संभव है कि आप सभी प्रकार से परिवारिक सदस्यों की सुख सुविधा की व्यवस्था करेंगी।

आप शारीरिक रूप से लम्बी, उन्नत ललाट एवं सुस्पष्ट आँखों से युक्त होंगी। आपकी मनोवृत्ति क्षमतानुसार एवं अवस्थानुसार अग्रसर होगी। आप उन्नति के लिए एक कड़ी के साथ-साथ दूसरी कड़ी भी प्रारम्भ कर सकती हैं।

आपमें ऐसा गुण एवं सामंजस्य विद्यमान है कि आप जन-सामान्य की भावना को तथा परिस्थितियों को विधिवत समझ कर उचित सामंजस्य कर देती हो। परन्तु आप बहुत अधीर हो जाती हो। परिणाम स्वरूप आपका स्वभाव विकृत होकर, हानिप्रद प्रमाणित हो जाता है। यह आवेग क्षणिक है, तथापि शीघ्रतापूर्वक शान्त होकर तेजी से समान्य मनोवृत्ति ग्रहण कर लेती हैं।

आप धनोपार्जन हेतु कुछ विभिन्न प्रकार की पद्धति एवं उपायों का अनुसरण कर लेती हैं। यह सुनिश्चित है कि सतत आप में अन्तर्वाही चतुरता विद्यमान रहेगी।

आपको अपने रोमांचित जीवन के प्रति सचेत रहना चाहिए। आप पूर्णरूपेण उदासीन भाव से अपने पति से सम्बंधित रहेंगी। बल्कि आप उदासीन रहकर अपना पारिवारिक जीवन बिताएंगी।

आप अपना विवाह सुयोग्य पति के साथ करने की प्राथमिकता देंगी ताकि अच्छी सन्तान का उद्भव हो सके। लेकिन आपके लिए उत्तम तो यह है कि अपनी दिनचर्या स्पष्ट रखें तथा अपना घरेलू जीवन, जीवन संगी के लिए आलोचनात्मक न बन सके।

कर्क राशीय प्रवृति के अनुसार आपके स्वभानुकूल वह प्राणी होगा जिसका जन्म मीन अथवा वृश्चिक लग्न राशि में हुआ हो।

आपके किशोरावस्था के लिए रोजगार, व्यवसाय अथवा अनुकूल पेशा-वृति नौसेना,

सामुदायिक व्यवस्था आयात-निर्यात सिचाई एवं कृषि कार्य उत्तम रहेगा।

संभवतः आपका स्वास्थ्य एवं जीवन अक्षुण नही रहेगा। परन्तु अवस्था की वृद्धि के अनुसार समस्याएँ सुधर कर उत्तम हो जाएगी।

आप सदैव ही चिन्तित एवं कुतुहलयुक्त (घबराहट) रहेंगी। अतः आप इन प्रवृतियों को त्याग कर शान्तिपूर्वक रहे और खान-पान पर नियंत्रण रक्खें। मद्यपान का सर्वथा त्याग करे।

आपको कतिपय रोग जैसे गैसस्टिक, अलसर खाँसी सम्बंधी गड़बड़ी एवं गठिया सन्धिबात रोगादि से रक्षित रहना चाहिए।

आपके लिए रंग पीला, लाला मोतिया एवं सफेद रंग अनुकूल है। यह समझ लें कि रंग हरा एवं ब्लू रंग आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 3 एवं 5 अंक आपकी उपयोगिता के प्रतिकूल है। अस्तु इनका त्याग करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।